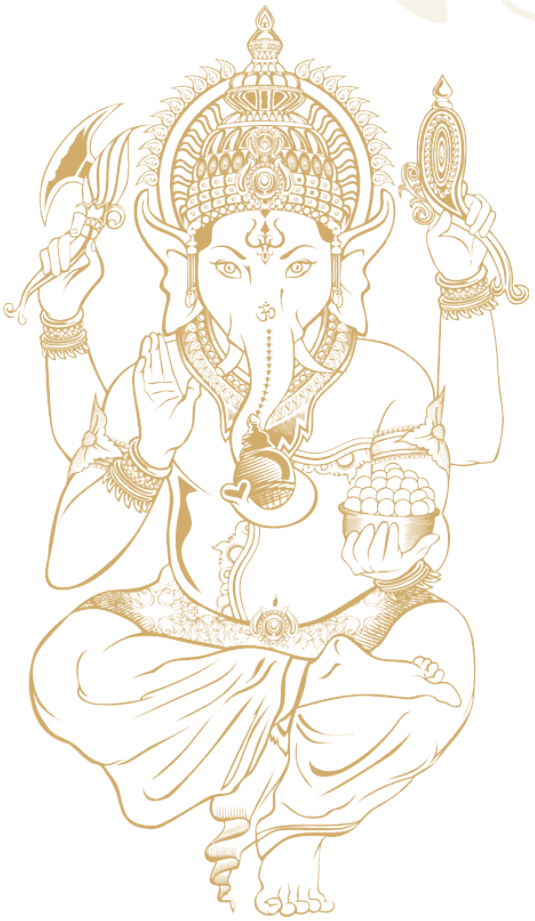

Ms.

12 Mar 2026

12:10 PM

Kishangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121573502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**12/03/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**12:10:00 घंटे**
इष्ट	13:53:18 घटी
स्थान	**Kishangarh**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:52:00 उत्तर
रेखांश	76:41:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:46:44 घंटे
वेलान्तर	-00:09:46 घंटे
साम्पातिक काल	23:06:27 घंटे
सूर्योदय	06:36:40 घंटे
सूर्यास्त	18:29:51 घंटे
दिनमान	11:53:11 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	27:28:10 कुम्भ
लग्न के अंश	05:39:09 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्यतिपात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भावना
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	05:39:09	331:08:13	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			कुंभ	27:28:10	00:59:54	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	07:02:54	11:58:29	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	13:24:14	00:47:15	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	18:00:05	00:50:50	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	सूर्य	सम राशि
गुरु			मिथु	20:51:53	00:00:13	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	13:01:19	01:14:31	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	08:52:06	00:07:24	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु			कुंभ	14:39:50	00:00:16	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु			सिंह	14:39:50	00:00:16	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:48:05	00:01:50	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:14:02	00:02:15	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:35:43	00:01:25	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			कुंभ	21:14:07	--	पू०भाद्रपद	--	25	शनि	गुरु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

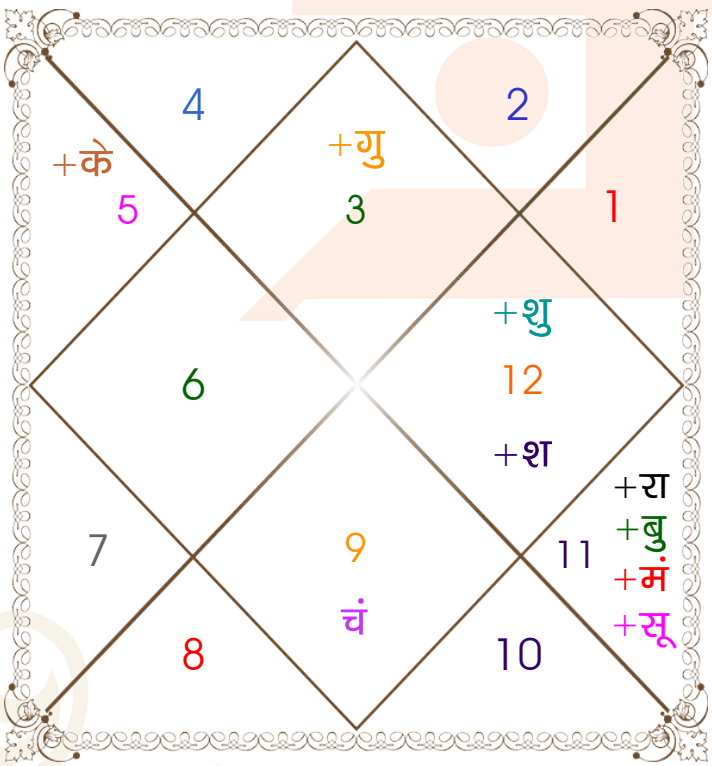

चन्द्र कुंडली

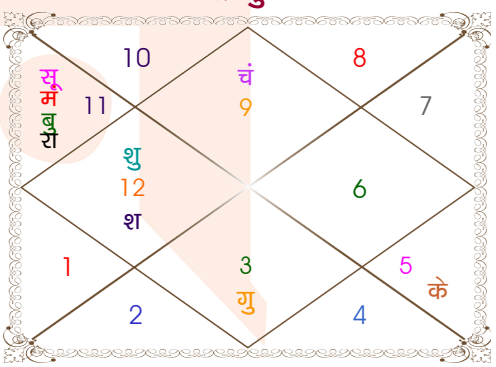

नवमांश कुंडली

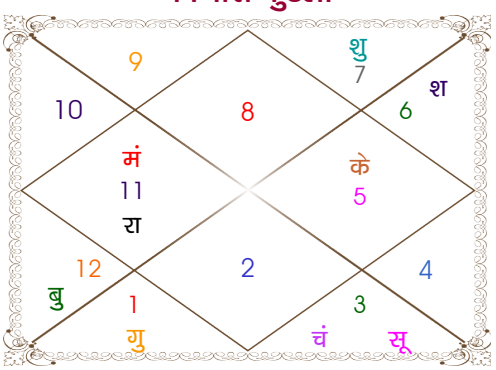

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 3 वर्ष 3 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/03/2026		29/06/2029		29/06/2049		30/06/2055		29/06/2065	
29/06/2029		29/06/2049		30/06/2055		29/06/2065		29/06/2072	
	00/00/0000	शुक्र	29/10/2032	सूर्य	17/10/2049	चंद्र	29/04/2056	मंगल	25/11/2065
	00/00/0000	सूर्य	29/10/2033	चंद्र	17/04/2050	मंगल	28/11/2056	राहु	14/12/2066
	00/00/0000	चंद्र	30/06/2035	मंगल	23/08/2050	राहु	30/05/2058	गुरु	20/11/2067
	00/00/0000	मंगल	29/08/2036	राहु	18/07/2051	गुरु	29/09/2059	शनि	29/12/2068
	12/03/2026	राहु	30/08/2039	गुरु	05/05/2052	शनि	29/04/2061	बुध	26/12/2069
राहु	17/06/2026	गुरु	30/04/2042	शनि	17/04/2053	बुध	29/09/2062	केतु	24/05/2070
गुरु	24/05/2027	शनि	29/06/2045	बुध	22/02/2054	केतु	30/04/2063	शुक्र	24/07/2071
शनि	02/07/2028	बुध	29/04/2048	केतु	29/06/2054	शुक्र	29/12/2064	सूर्य	29/11/2071
बुध	29/06/2029	केतु	29/06/2049	शुक्र	30/06/2055	सूर्य	29/06/2065	चंद्र	29/06/2072

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
29/06/2072		29/06/2090		30/06/2106		30/06/2125		30/06/2142	
29/06/2090		30/06/2106		30/06/2125		30/06/2142		00/00/0000	
राहु	12/03/2075	गुरु	17/08/2092	शनि	03/07/2109	बुध	27/11/2127	केतु	27/11/2142
गुरु	05/08/2077	शनि	28/02/2095	बुध	12/03/2112	केतु	23/11/2128	शुक्र	27/01/2144
शनि	11/06/2080	बुध	05/06/2097	केतु	21/04/2113	शुक्र	24/09/2131	सूर्य	03/06/2144
बुध	29/12/2082	केतु	12/05/2098	शुक्र	21/06/2116	सूर्य	30/07/2132	चंद्र	02/01/2145
केतु	17/01/2084	शुक्र	11/01/2101	सूर्य	03/06/2117	चंद्र	30/12/2133	मंगल	31/05/2145
शुक्र	16/01/2087	सूर्य	30/10/2101	चंद्र	02/01/2119	मंगल	27/12/2134	राहु	13/03/2146
सूर्य	11/12/2087	चंद्र	01/03/2103	मंगल	11/02/2120	राहु	15/07/2137		00/00/0000
चंद्र	11/06/2089	मंगल	05/02/2104	राहु	18/12/2122	गुरु	21/10/2139		00/00/0000
मंगल	29/06/2090	राहु	30/06/2106	गुरु	30/06/2125	शनि	30/06/2142		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 3 वर्ष 3 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न में हुआ है। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षतिज पर मिथुन लग्न उदीयमान था। तत्कालिक वृश्चिक नवमांश एवं मिथुन द्रेष्काण के प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन को विविध व्यंजित प्रकार से संचालनार्थ दृढ़ निश्चयी हैं।

आपकी विशेषता यह है कि आप सदैव सभी चीजों में विविधता की झलक देखेंगी तथा विविधायुक्त प्राप्त करेंगी।

आपकी आकृति दुर्बल अर्थात शरीर से दुबली लंबी एवं आखें आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीत योनि के सदस्यों के साथ लोकप्रियता का रूख रखती हैं। परिणाम स्वरूप अनेक प्रेम संबंध के प्रति अपने पति के साथ विरोधात्मक रूख अपना लेती हैं तथा आप कठोरतम कदम उठाकर गृह त्याग करने की धमकी देती हैं। आप शीघ्रता पूर्वक अपने रौबिले कार्य कलाप से जीवन संगी के साथ क्लेश युक्त वातावरण उत्पन्न कर लेती हैं। आपके कार्यकलाप भी विभिन्नताओं से युक्त हैं। आप सदैव एक व्यवसाय को छोड़कर अन्य व्यवसाय के लिए छलांग लगाना आपकी अत्यावश्यक दिनचर्या है।

आप एक ही समय साथ-साथ दों कार्यभार का संपादन करने के लिए तत्पर हो जाती हैं तथा उसे सकारात्मक रूप भी देती हैं। परिणामस्वरूप आप एकाग्रता पूर्वक अच्छे ढंग से कोई कार्य एक साथ एक समय पर नहीं कर पाती हैं।

आपके आय का क्षेत्र व्यापक हैं, अतः आप निःसंदेह समय-समय पर बहुत कुछ लाभ प्राप्त कर लेंगी। परंतु यह लाभ अधिक दिनों तक सुरक्षित नही रह सकेगा। क्योंकि आप की आदत ऐसी है कि आप आनंद प्राप्त करने के उमंग में खर्चीली तथा अपव्ययकारी हो जाती हैं। जबकि व्यवसायिक पक्ष के मित्र आपके घर आते हैं। उस समय आप अपने स्वामी अथवा व्यवसायिक महारथियों के साथ आमोद-प्रमोद करना पसंद करती हैं। आपके असावधानी पूर्वक अचेत होकर अवकाश के समय कठिनतम संपत्ति को व्यय कर देने से जीवन में उतार-चढ़ाव के दिन देखने पड़ते हैं। इसलिए ऐसी आशंका ही नही कि आपका संपूर्ण जीवन संघर्षपूर्ण परिस्थितियों के साथ गुजरे अपितु यह पूर्णरूपेण संभाव्य है कि आपका जीवन संघर्षमय रहेगा।

आप किसी भी कार्य को संपादन करने के निर्णय को परिवर्तन करने के बजाय, आप इस प्रकार की सीख लेकर अपने स्वभाव को विस्तार पूर्वक नियम कर लें तथा बार-बार अन्य क्षेत्र में हाथ न फैलाएं।

इसमें कोई संदेह नहीं कि आपकी मित्रमंडली बड़ी है तथा ये कठिन परिस्थितियों में बहुत दिनों तक आपका साथ निभा सकना प्रमाणित करेंगे।

यह तथ्य पूर्ण बात है कि आपके मित्रों को आपकी मनोवृत्रि का ज्ञान होना कठिनतम है। क्योंकि आपमें मित्रों को बदलते रहने की आदत है तथा आपके इस अभिप्राय को कोई समझ नही पाता है। परिणाम स्वरूप बहुतायत में आपके मित्र अत्यावश्यक समय पर

आपका साथ छोड़ देते हैं। अर्थात् आवश्यकता पड़ने पर कोई आप का मददगार नही होता है।

संप्रति आप पूर्णरूपेण स्वस्थ हैं। बड़ी रोग या तकलीफ के पूर्व ही आपको सचेत रहना अति उत्तम है। आपकी छलांग लगाने की प्रवृत्ति से आपको विश्राम नही मिलता क्योंकि आपके मस्तिष्क में बहुत सी बातों का विचार एवं कार्य संपादन मस्तिष्क पर अधिक भार डालने का प्रयास करते रहते हैं।

अतः आप ऐसा सबक लेंकर अपने मस्तिष्क से चिंता करना छोड़ दें अर्थात् चिंताओं को दिमाग से निकाल दें तथा सुखपूर्वक विश्राम एवं शयन करें।

आपको भावी रोगादि तथा किड़नी की दिक्कतें, शारीरिक खुजलाहट, इन्फ्लुऐंजा एवं श्वांसनली की विकृतियों के प्रति सावधानी बरतना चाहिए ताकि स्वास्थ्य लाभ की निश्चितता एवं पूर्ण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके। आप अपने खान-पान की आदतों के संबंध में भी सतर्क रहें तथा क्रमिक रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराना भी सहायक होगा।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में 7 एवं 3 अंक शुभ एवं अनुकूलता दायक है। अंक 4 एवं अंक 8 पर निर्भर न रहें क्योंकि ये अंक पूर्ण फलदायी नही हैं।

आप लाल एवं काला रंग का व्यवहार नहीं करें। आपके लिए पीला, नीला, गुलाबी एवं हरा रंग शुभ एवं प्रेरक है।